7. Explain how personal experiences can be understood through a sociological perspective.

समझाइए कि व्यक्तिगत अनुभवों को समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य के माध्यम से कैसे समझा जा सकता है।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6543 **K**

Unique Paper Code : 2302201101

Name of the Paper : An Invitation to Sociology (DSC-1 (A) Non-major)

Name of the Course : **B.A. Sociology NEP-UGCF**

Semester : I

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
अधिकतम अंक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. How does sociological imagination explain the link between personal troubles and public issues?

   समाजशास्त्रीय कल्पना व्यक्तिगत कठिनाइयों और सार्वजनिक मुद्दों के बीच संबंध को कैसे समझाती है?

2. In what ways is sociology distinct from common sense?

   समाजशास्त्र सामान्य धारणाओं से किस प्रकार भिन्न है?

3. Discuss the course of the historical development of sociological theory.

   समाजशास्त्रीय सिद्धांत के ऐतिहासिक विकास की प्रक्रिया पर चर्चा करें।

4. What do you understand by culture? Discuss its relevance in understanding society.

   आप संस्कृति से क्या समझते हैं? समाज को समझने में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा करें।

5. Society is composed of social institutions. Comment.

   समाज सामाजिक संस्थाओं से बना है। टिप्पणी कीजिए।

6. Write an essay on 'modernity, modernization, and social change'.

   'आधुनिकता, आधुनिकीकरण और सामाजिक परिवर्तन' पर एक निबंध लिखें।